साप्ताहिक RNI. No. UPHIN/2010/36806

केशरी दर्पण

www.kesharidarpan.com

शख्सियत/प्रमुखता

www.kesharidarpan.com

सम्पादकः सुभाष चन्द मो. 9837749557 सच्चाई सामने होगी

वर्षः16, अंकः 17 E-mail: subhashchand4@gmail.com बागपत, सोमवार, 04 से 10 मई 2026 (पृष्ठः4) मूल्य 3 रुपया.

पांच बड़े चुनावी मोर्चों और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में हुए विधानसभा चुनाव 2026 के लिए मतगणना की तैयारियां पूरी

विशाल कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। पांच बड़े चुनावी मोर्चों असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरलम और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में हुए विधानसभा चुनाव 2026 के लिए मतगणना की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। एक महीने तक चले इस चुनावी महासंग्राम में कुल 823 सीटों पर मतदान हुआ था, जिसके नतीजे 4 मई को सामने आएंगे।

इन सभी राज्यों में मतदान 9 अप्रैल से 29 अप्रैल के बीच अलग-अलग चरणों में संपन्न हुआ। केरलम, असम और पुडुचेरी में 9 अप्रैल को एक ही चरण में वोटिंग हुई, जबकि तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को हुआ। दूसरे चरण की वोटिंग 29 अप्रैल को कराई गई। पश्चिम बंगाल चुनाव में सबसे ज्यादा सियासी घमासान देखने को मिला। बीजेपी और तृणमूल कांग्रेस के बीच तीखी टक्कर रही। फालता, डायमंड हार्बर और मगराहाट पश्चिम सीटों पर पुनर्मतदान की घोषणा ने माहौल को और गरमा दिया।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र पर सुरक्षा बलों के जरिए मतदाताओं को डराने का आरोप लगाया। वहीं ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम को लेकर भी विवाद हुआ। नेताओं ने ईवीएम से छेड़छाड़ के आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया। पश्चिम बंगाल में ज्यादातर एग्जिट पोल में बीजेपी को बढ़त और बताया गया है। इस बार पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर 6 एग्जिट पोल सामने आए। इन छह एग्जिट पोल में से चार ने बीजेपी को जिताया।

दो एग्जिट पोल ने फिर एक बार ममता बनर्जी की सरकार बनती दिखाई। ममता बनर्जी ने इस बार 200+ सीटों के साथ जीत का दावा किया है।

केरल में कांग्रेस नीत की वापसी के संकेत मिल रहे हैं। 78-90 सीटें मिल सकती हैं। असम में सभी एग्जिट पोल हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली सरकार की वापसी दिखा रहे हैं। 85-100 सीटें मिलने का अनुमान है।

तमिलनाडु में यहां मुकाबला दिलचस्प माना जा रहा है। एमके स्टालिन सत्ता बरकरार रखने की कोशिश में हैं, लेकिन अभिनेता विजय की पार्टी को भी एग्जिट पोल में बढ़त दिखाई गई है।

केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम का कायाकल्प कर दिया

सपना कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बच्चों के सुनहरे भविष्य की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम उठाते हुए राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम का कायाकल्प कर दिया है। बच्चों का भविष्य अब और भी सुरक्षित और सेहतमंद होने जा रहा है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा वितरण में नवाचारों पर आयोजित राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन के दौरान राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम 2.0 के नए दिशानिर्देश जारी किए हैं।

यह अब न केवल बच्चों की शारीरिक व्याधियों, बल्कि उनके मानसिक स्वास्थ्य और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों पर भी केंद्रित होगी। यह पहल जन्म से लेकर 18 वर्ष तक के बच्चों के लिए एक संपूर्ण सुरक्षा चक्र प्रदान करने का संकल्प है।

प्रमोद कश्यप, लखनऊ। सीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया कि लाइक, व्यूज और फॉलोअर्स के जाल में फंसकर कई युवा घरों के अंदर और सड़कों पर स्टंट करके जोखिम उठा रहे हैं। तेज रफ्तार बाइक और कारों पर करतब दिखाना, रेलवे ट्रैक और ट्रेन के दरवाजे पर लटककर वीडियो बनाना, और ऊंची इमारतों, पहाड़ों, नदियों, पुलों, एक्सप्रेसवे और यहां तक कि पानी की टंकियों पर खतरनाक सेल्फी लेना। उनके लिए घातक है। उनके चाहने वालों के सपनों को भी एक पल में चकनाचूर कर सकता है। आए दिन हो रहे हादसे इसकी गवाही देते हैं।

नए आधार कार्ड छह वर्ष तक की आयु के नागरिकों को ही

अनुष्का कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को यूनीक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया को निर्देश देने की मांग संबंधी याचिका पर सुनवाई करेगा जिसमें नए आधार कार्ड केवल छह वर्ष तक की आयु के नागरिकों को ही जारी किए जाए। किशोरों और वयस्कों के लिए इसे जारी करने के सख्त दिशा-निर्देश बनाने की मांग की है ताकि घुसपैठियों को भारतीय नागरिकों के रूप में छिपने से रोका जा सके।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जायमाल्य बागची की पीठ करेगी सुनवाई सर्वोच्च न्यायालय की सूची के अनुसार 4 मई को यह याचिका मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जायमाल्य बागची की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आएगी। वकील अश्विनी उपाध्याय द्वारा दायर जनहित याचिका में अधिकारियों को यह निर्देश देने की भी मांग की गई है कि वे सामान्य सेवा केंद्रों पर डिस्प्ले बोर्ड लगाएं। इसमें यह स्पष्ट हो कि 12 अंकों की अद्वितीय पहचान संख्या केवल पहचान का प्रमाण है और नागरिकता, पते या जन्म तिथि का प्रमाण नहीं है। यह याचिका तब दायर की गई जब याचिकाकर्ता को पता चला कि घुसपैठिए किस प्रकार एक कमजोर सत्यापन प्रक्रिया से आधार प्राप्त कर रहे हैं, जिसमें आसानी से हेरफेर किया जा सकता है।

याचिका में कहा गया कि विदेशी आधार के लिए विदेशी श्रेणी के तहत आवेदन करते हैं।

घुसपैठिए भारतीय नागरिक श्रेणी के तहत आधार के लिए आवेदन करते हैं और इसे आसानी से बनवा लेते हैं। इसके बाद वे राशन कार्ड, जन्म और निवास प्रमाण पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस आदि प्राप्त करते हैं, जिससे वे भारतीय नागरिकों से भेद करना मुश्किल हो जाता है।

केशरी दर्पण समाचार पत्र के पत्रकार बनें

भारत के किसी भी जनपद, तहसील या थाना क्षेत्र में केशरी दर्पण समाचार पत्र के पत्रकार बनने के लिए संपर्क करें। आप केशरी दर्पण समाचार पत्र की वेबसाइट से भी के माध्यम से भी पत्रकार बन सकते हैं। समाचार पत्र की वेबसाइट पर अपना रजिस्ट्रेशन करें लॉगिन करें आप स्वयं केसरी दर्पण समाचार पत्र की वेबसाइट पर समाचार फोटो आदि भी अपलोड कर सकते हैं। सोनीपत जनपद में श्रीमती अंजू देवी पत्नि श्री कृष्ण पाल, सोनीपत मो. 9416957607

निवेदक-सुभाष चंद, संपादक, केशरी दर्पण (हिंदी साप्ताहिक) 9837749557

www.kesharidarpan.com

क्रूज हादसे में अधिकांश पर्यटक को लाइफ जैकेट भी नहीं मिली

रमेश रैकवार/एजेंसी, जबलपुर। मध्यप्रदेश के बरगी हादसे ने मप्र पर्यटन निगम की लापरवाही को उजागर कर दिया है। क्रूज समेत वाटर स्पोर्ट्स की गतिविधियों का संचालन बरगी बांध में हो रहा था, लेकिन सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया जा रहा था। क्रूज हादसे में भी यह सामने आया कि अधिकांश पर्यटक को लाइफ जैकेट नहीं मिली। क्रूज में लाइफ सेवर भी पर्याप्त नहीं थे। कम्युनिकेशन सिस्टम भी फेल नजर आया। ऐसी कई खामियां प्रारंभिक स्तर पर दिखीं, जिस वजह से क्रूज में फंसे पर्यटकों को समय पर नहीं बचाया जा सका।

क्रूज संचालन की गाइडलाइन में साफ है कि वाटर स्पोर्ट्स गतिविधि के दौरान एक रेस्क्यू टीम अलर्ट मोड में हर वक्त तैनात रहेगी जो बरगी में नहीं थी। मप्र पर्यटन निगम में जल क्रीड़ा के सलाहकार राजेंद्र निगम ने दावा किया कि क्रूज संचालन के वक्त उसमें पर्याप्त लाइफ जैकेट थी जो मुश्किल समय में पर्यटकों को दी गई थी घटना के बाद जो वीडियो इंटरनेट मीडिया में मिले उसमें साफ नजर आया कि लाइफ जैकेट उस समय बांटा जा रहा था जब क्रूज के अंदर बड़ी मात्रा में पानी भर चुका था। लोग खुद ही लाइफ जैकेट लेने में जुटे नजर आए।

कई पर्यटकों के साइज का लाइफ जैकेट उपलब्ध नहीं था। दिल्ली से आई पर्यटक ने अपने मासूम बेटे को लाइफ जैकेट नहीं होने पर अपनी छाती से चिपका लिया था। इधर, सरकार की गाइडलाइन में जबकि ऐसा नहीं है। सुरक्षा मानकों के आधार पर क्रूज या वोट पर सवार होते ही लाइफ जैकेट को पहनना अनिवार्य होता है। नेशनल इंस्टीट्यूट आफ वाटर स्पोर्ट्स की गाइडलाइन में सुरक्षा से जुड़े मापदंड स्पष्ट हैं जिसमें लाइफ जैकेट भी एक है।

राजेंद्र निगम के अनुसार क्रूज पर सवारी के लिए लाइफ जैकेट पर्यटक को पहनाना अनिवार्य नहीं होता है। उन्होंने गोवा और विदेशों में संचालित क्रूज का हवाला देते हुए कहा कि वहां भी लाइफ जैकेट क्रूज में उपलब्ध होती है, लेकिन पर्यटक घूमने के दौरान नहीं पहनते हैं। संचालन में शामिल कर्मियों को लाइफ सेविंग टेक्निक्स सर्टिफिकेट होना अनिवार्य है। जो कर्मचारी सीधे शामिल नहीं हैं उनके लिए फर्स्ट एड और सीपीआर ट्रेनिंग होना वांछनीय है। राजेंद्र निगम के अनुसार वाटर स्पोर्ट्स से जुड़े कर्मचारियों के पास पर्याप्त अनुभव और प्रमाण पत्र है। क्रूज में सवार लोगों के हिसाब से मौके पर स्टाफ और फर्स्ट एड उपलब्ध नहीं था।

सभी पावरबोट/वाटर स्कूटर/जेट स्की ड्राइवर के पास एनआइडब्ल्यूएस का पीबीएच सर्टिफिकेट या अंतरराष्ट्रीय संस्था जैसे आरवायए का प्रमाणपत्र होना चाहिए। दो साल के लिए मान्य होते हैं उसके बाद इन्हें रिन्यू कराना जरूरी है। वाटर स्पोर्ट्स में लगे अधिकांश कर्मचारियों के पास वैध प्रमाण पत्र नहीं है। कई रिन्यू नहीं कराए गए।

बोट रेस्क्यू टीम की नजर से बाहर नहीं जानी चाहिए। वोट संचालन स्थल के पास कर्मचारी मौजूद थे लेकिन रेस्क्यू टीम की तरह अलर्ट नहीं थे। पूरे ऑपरेशन के दौरान एक रेस्क्यू वोट हमेशा तैयार रहनी चाहिए। इसमें कम से कम 10 एचपी इंजन होना चाहिए। एक लुकआउट हमेशा स्टेंडबाय पर होना चाहिए।

एलपीजी की जमाखोरी और कालाबाजारी को रोकने के लिए छापेमारी

अनुष्का कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। देश में एलपीजी की कमी के बीच एलपीजी की जमाखोरी और कालाबाजारी को रोकने के लिए देशभर में छापेमारी तेज की गई है।

शनिवार को 1,900 से अधिक स्थानों पर छापे मारे गए। इस दौरान 349 एलपीजी वितरण केंद्रों पर जुर्माना लगाया गया जबकि 74 एलपीजी वितरण केंद्रों को निलंबित किया गया। साथ ही कहा कि 47.4 लाख घरेलू एलपीजी सिलिंडर वितरित किए गए। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, शनिवार को लगभग 47 लाख घरेलू एलपीजी सिलिंडर की बुकिंग हुई, जबकि इसके मुकाबले ज्यादा सिलिंडर वितरित किए गए।

यह दर्शाता है कि मांग के अनुसार ही आपूर्ति भी बनी हुई है। मंत्रालय की ओर से कहा गया कि घरेलू एलपीजी, पीएनजी और वाहनों के लिए सीएनजी की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। हालांकि वर्तमान वैश्विक हालातों के चलते एलपीजी आपूर्ति में बाधा आई है मगर खाना पकाने के लिए घरेलू एलपीजी की आपूर्ति को प्राथमिकता दी गई है। मंत्रालय पेट्रोलियम उत्पादों की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठा रहा है।

साथ ही उसने लोगों से अपील की है कि वह पैनिक में आकर ईंधन की खरीद न करें। पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल व डीजल पर्याप्त स्टाक हैं। इस बीच सरकार ने कहा है कि भारतीय कार्गो ला रहा मार्शल आइलैंड के झंडे वाला एलपीजी टैंकर सर्व शक्ति होर्मुज स्ट्रेट को पार कर चुका है और भारत की ओर बढ़ रहा है। इसके 13 मई को विशाखापतनम पहुंचने की उम्मीद है। इस टैंकर पर 46,313 मीट्रिक टन एलपीजी लदी है।

2027 में उत्तर प्रदेश में सरकार बना कर समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय विकल्प के रूप में उभरेगी: शान मोहम्मद

नितिन कुमार सिंह, बागपत। समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के राष्ट्रीय सचिव शान मोहम्मद ने प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि देश के मौजूदा सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक हालात अब गहरी चिंता का विषय हैं। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, सामाजिक असमानता और संवैधानिक संस्थाओं पर बढ़ते दबाव ने आम जनता के विश्वास को तोड़ दिया है। ऐसे समय में देश को एक मजबूत और जनहितकारी राजनैतिक विकल्प की आवश्यकता है, जो लोकतंत्र और संविधान की मूलभावना को पुनः र्स्थापित कर सके।

समाजवादी पार्टी आज उसी वैकल्पिक शक्ति के रूप में उभर रही है। पार्टी की नीतियां समाज के हर वर्ग, पिछड़े, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक और महिलाओं आदि को समान अवसर और सम्मान देने की बात करती हैं। पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक आंदोलन के माध्यम से समाजवादी पार्टी ने सामाजिक न्याय की लड़ाई को नई दिशा दी है। यह आंदोलन केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का एक व्यापक अभियान है, जो देश की बहुसंख्यक आबादी को उनके अधिकार और भागीदारी दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। पीडीए समाज में समाजवादी पार्टी की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है

और यह एक मजबूत जनआंदोलन का रूप ले चुका है।

उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव समाजवादी पार्टी के लिए ऐतिहासिक अवसर हैं। जनता का बढ़ता समर्थन यह स्पष्ट संकेत दे रहा है कि प्रदेश में अब बदलाव तय है और समाजवादी पार्टी सरकार बनाने की ओर अग्रसर है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव आज देश के सबसे लोकप्रिय और भरोसेमंद नेताओं में तेजी से उभर रहे हैं। उनका नेतृत्व युवाओं, किसानों, मजदूरों और समाज के हर वर्ग में नई उम्मीद जगा रहा है।

शान मोहम्मद ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सरकार बनने के बाद समाजवादी पार्टी पूरे देश में अपने संगठन को और मजबूत करेगी और एक सशक्त राष्ट्रीय पार्टी के रूप में उभरेगी, जो भारतीय जनता पार्टी के विकल्प के रूप में देश को नई दिशा देगी।

समाजवादी विचारधारा ही वह रास्ता है, जो देश को सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और लोकतांत्रिक मजबूती की ओर ले जा सकती है। आने वाले समय में समाजवादी पार्टी न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे देश में जनआकांक्षाओं की आवाज बनेगी। समाजवादी पार्टी का लक्ष्य केवल सत्ता प्राप्त करना नहीं है बल्कि एक न्यायपूर्ण, समतामूलक और समावेशी भारत का निर्माण करना है। शान मोहम्मद ने कहा कि देश का राजनीतिक भविष्य अखिलेश यादव यानी समाजवादी पार्टी है।

ड्रॉप मोर क्रॉप योजना के तहत किसानों को तालाब निर्माण व सिंचाई उपकरणों पर अनुदान

नितिन कुमार सिंह बागपत। जनपद के जिला भूमि संरक्षण अधिकारी धीरज कुमार सिंह द्वारा समस्त कृषक भाइयों को सूचित किया जाता है कि प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत संचालित घटक पर ड्रॉप मोर क्रॉप के तहत वर्षा जल संचयन को प्रोत्साहित करने हेतु कृषकों को अपने खेत पर लघु तालाब निर्माण की सुविधा प्रदान की जा रही है।

इच्छुक कृषक विभागीय वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करते समय 1000 रुपये की टोकन धनराशि जमा करना अनिवार्य होगा। कृषकों का चयन प्रथम आवक, प्रथम पावक के आधार पर किया जाएगा।

योजना के अंतर्गत लघु तालाब का निर्माण 50 प्रतिशत अनुदान पर कराया जा सकता है, जिसके लिए 52,500 रुपये की धनराशि लाभार्थी के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की जाएगी। वर्तमान वित्तीय वर्ष में जनपद को कुल 07 तालाबों का लक्ष्य प्राप्त हुआ है, 05 तालाब सामान्य वर्ग तथा 02 तालाब अनुसूचित जाति के कृषकों हेतु निर्धारित हैं।

इसके अतिरिक्त, कृषकों को 90 प्रतिशत अनुदान पर ड्रिप, स्प्रिंकलर एवं रेनगन जैसी सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों की स्थापना तथा पम्पसेट क्रय पर 50 प्रतिशत अनुदान का लाभ भी प्रदान किया जाएगा। योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु कृषकों की फार्मर रजिस्ट्री होना अनिवार्य है। अधिक जानकारी हेतु कृषक कार्यालय भूमि संरक्षण अधिकारी, बागपत अथवा दूरभाष पर संपर्क कर सकते हैं।

विशाल कश्यप, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि चालान से बचना मुश्किल होगा और तय समय में उसका भुगतान या चुनौती देना जरूरी होगा। पूरी प्रक्रिया डिजिटल होगी, जिससे वाहन जिम्मेदारों की पारदर्शिता और जवाबदेही दोनों बढ़ेंगी। अब चालान निपटाने की प्रक्रिया तय समय में पूरी करनी होगी, वरना लोगों को सख्त कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

राजधानी में ट्रैफिक नियम तोड़ना अब महंगा ही नहीं, जोखिम भरा साबित होगा। सरकार की नई सख्त व्यवस्था के तहत चालान का निपटारा 45 दिन में करना अनिवार्य होगा, वरना न सिर्फ अतिरिक्त कार्रवाई झेलनी पड़ेगी, बल्कि वाहन और लाइसेंस से जुड़े काम भी रुक सकते हैं। बार-बार नियम तोड़ने वालों के लाइसेंस सस्पेंड करने की नई व्यवस्था की गई है, जबकि कोर्ट जाने से पहले चालान का आधा पैसा जमा करना अनिवार्य कर दिया गया है।

कोशिश करो तैयार रहो सेवा करो

श्रीराम बाजपेयी स्काउट-गाइड एसोसिएशन

पंजीकरण संख्या- S/703/2014-दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 2014, संपूर्ण भारतवर्ष
वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ इंडिपेंडेंट स्काउट्स-गाइड्स जर्मनी से भी संबंध
प्रधान कार्यालयः निर्भय एनक्लेव, खेकड़ा (बागपत) उ.प्र. पिन-250101
Email:- subhashchand4@gmail.com, Mob- 09837749557- 7906984078

संपूर्ण भारतवर्ष में श्रीराम बाजपेयी स्काउट-गाइड एसोसिएशन ऑफ इंडिया के माध्यम से, स्काउट-गाइड प्रशिक्षण कैंप, स्पोर्ट्स एक्टिविटीज, सिलाई सेंटर हेतु संपर्क करें।
स्काउट गाइड संस्थाओं NCC, NSS से जुड़े भाई-बहनो जुड़ने को प्राथमिकता।
(सुभाष चंद कश्यप, राष्ट्रीय महासचिव, श्रीराम बाजपेयी स्काउट गाइड एसोसिएशन)

अंतर्राष्ट्रीय खिलाडी विनेश फोगाट का बड़ा खुलासा

विशाल कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। देश की अंतर्राष्ट्रीय खिलाडी, ओलंपियन विनेश फोगाट ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा है कि वह पूर्व भारतीय कुश्ती महासंघ प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने वाली छह महिला पहलवानों में से एक हैं। अब सोशल मीडिया संदेश में विनेश ने कहा कि मौजूदा हालात और 2026 एशियन गेम्स से पहले उनकी वापसी रोकने की कोशिशों के कारण उन्हें अपनी पहचान उजागर करनी पड़ी। गोंडा में ट्रायल कराने के फैसले पर भी सवाल और निष्पक्ष प्रतियोगिता पर संदेह जताया।

एक बार फिर भारतीय कुश्ती जगत में बड़ा विवाद सामने आया है। ओलंपियन विनेश फोगाट ने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए कहा है कि वह भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने वाली छह महिला पहलवानों में से एक हैं। विनेश ने सार्वजनिक रूप से खुद को इस मामले की पीड़िता बताया है। एक भावुक वीडियो संदेश जारी कर कहा कि कुछ परिस्थितियों के कारण अब उन्हें अपनी चुप्पी तोड़नी पड़ी।

विनेश फोगाट ने कहा कि वह पहले इस मामले में अपनी पहचान सामने नहीं लाना चाहती थीं, क्योंकि मामला अभी अदालत में लंबित है। क्योंकि यह उसकी गरिमा और सम्मान से जुड़ा मामला है। अब कुछ परिस्थितियों के कारण मैं आप सबको कुछ बताना चाहती हूं। मैं केस लंबित रहने तक कुछ नहीं बोलना चाहती थी। मैं खुद उन छह पीड़िताओं में से एक हूं, जिन्होंने शिकायत दर्ज कराई थी और हमारी गवाही अभी भी चल रही है।

ऐसी परिस्थितियों में किसी महिला खिलाड़ी के लिए खेलना बेहद मुश्किल होता है। एक महिला के लिए ऐसी स्थिति में मुकाबला करना बहुत कठिन है, और हर खिलाड़ी जिसने ऐसी स्थिति झेली है, वह इसे समझ सकती है।

जैसा की सभी को पता है कि पिछले डेढ़ साल से मैं रेस्लिंग मैट से काफी दूर थी। लेकिन अब कुछ महीनों से मैं रेस्लिंग की तैयारियां कर रह रही हूं। बड़ी मेहनत और ईमानदारी से मेहनत कर रही हूं। जैसे मैंने पहले देश के लिए मेडल जीते, परमात्मा के आशीर्वाद से, आप सबके सहयोग से फिर से रेस्लिंग मैट पर जाऊं और देश के लिए ढेर सारे मेडल जीतूं और देश के तिरंगे का मान बनाए रखूं।

उन्होंने खुलासा किया कि उनकी पहचान उजागर करने की सबसे बड़ी वजह का गोंडा, उत्तर प्रदेश में रैंकिंग टूर्नामेंट और ट्रायल कराने का फैसला है। दरअसल, गोंडा में सीनियर ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट होने जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह प्रतियोगिता बृजभूषण शरण सिंह के निजी कॉलेज में कराई जा रही है, जिससे निष्पक्ष मुकाबले की उम्मीद करना मुश्किल है।

एयर कंडीशनर सही तरीके से यूज और मेंटेन न हो तो कितना खतरनाक साबित हो सकता

विशाल कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली के विवेक विहार में हुई भीषण आग की घटना ने एक बार फिर ये साफ कर दिया है कि घर में लगा एयर कंडीशनर अगर सही तरीके से यूज और मेंटेन न किया जाए तो ये कितना ज्यादा खतरनाक साबित हो सकता है। जी हां, शुरुआती जांच में ये सामने आया है कि बिल्डिंग में लगे एयर कंडीशनर में ब्लास्ट के बाद आग तेजी से फैली। इस हादसे में अब तक 9 लोगों की मौत हो गई है।

ऐसे में ये समझना बेहद जरूरी है कि आखिर एयर कंडीशनर क्यों फटता है और इससे कैसे बचा जा सकता है। गीजर की तरह ही एयर कंडीशनर भी एक हाई-पावर डिवाइस है। ऐसे में अगर इसकी वायरिंग पुरानी, ढीली या खराब हो गई है, तो शॉर्ट सर्किट हो सकता है। इसकी वजह से स्पार्किंग होती है, जो आग या ब्लास्ट का सबसे बड़ा कारण बन सकती है। कभी ओवरलोडेड सॉकेट में एयर कंडीशनर लगाने से भी यही समस्या हो सकती है।

आजकल बहुत से लोग एयर कंडीशनर को लंबे टाइम तक लगातार इस्तेमाल करते रहते हैं या उसके अंदर धूल जमा हो जाती है, तो कूलिंग सिस्टम ठीक से वर्क नहीं करता है। इससे कंप्रेसर और दूसरे पार्ट्स जल्दी गर्म हो जाते हैं, जो एक बड़ा खतरा पैदा कर सकते हैं। अगर एयर कंडीशनर में भरी हुई गैस लीक हो जाए तो ये ज्वलनशील माहौल बना सकती है। जी हां, जब सर्विसिंग सही ढंग से न हो या सस्ती/गलत गैस भर दी जाए, तो ब्लास्ट का खतरा काफी ज्यादा बढ़ जाता है।

बहुत से लोग सालों तक एयर कंडीशनर की सर्विस नहीं कराते हैं। ऐसे में गंदे फिल्टर, ब्लॉक्ड कॉइल्स और जाम ड्रेनेज सिस्टम मशीन पर ज्यादा दबाव डालते हैं, जिससे ओवरहीटिंग और आग लगने का खतरा बढ़ जाता है।

भाजपा ने गरीबो को हमेशा धोखा दिया, गरीबो के आरक्षण में दबंगो को शामिल कर गरीबो का पिछले 26 वर्षो से मार दिया, आओ बागपत लोकसभा को भाजपा मुक्त करे

बागपत लोकसभा की जनता जनार्दन आशीर्वाद दे तो एक बार फिर 2029 में निर्दलीय चुनाव लड़ूंगा

निवेदक-
सुभाष चंद कश्यप
पूर्व सांसद प्रत्याशी बागपत लोकसभा 2014 निर्दलीय, 7906984078
पूर्व जिला पंचायत प्रत्याशी वार्ड नंबर 11 जनपद बागपत-2015
राष्ट्रीय महासचिव श्रीराम बाजपेई स्काउट गाइड एसोसिएशन ऑफ इंडिया
पता- कस्बा खेकड़ा जनपद बागपत उत्तर प्रदेश -250101

सम्पादकीय.....

क्या बिहार की सरकार भी दिल्ली से चल रही ?

अब एक बार फिर बिहार में मंत्रिमंडल विस्तार की प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने नई दिल्ली में शीर्ष केंद्रीय नेतृत्व से मुलाकात कर प्रस्तावित सूची पर सहमति प्राप्त कर ली है। सिर्फ औपचारिक घोषणा बाकी है। बंगाल समेत पांच राज्यों के चुनावी नतीजे आने के एक-दो दिन बाद विस्तारित मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण की तिथि तय हो सकती है। मंत्रिमंडल में अधिकतर पुराने चेहरे ही रहेंगे, जबकि कुछ नए नाम भी जोड़े जा सकते हैं। मंत्रियों की संख्या का फॉर्मूला पहले जैसा ही रहेगा, विभागों में सीमित फेरबदल होगा। इस विस्तार के साथ ही बिहार की राजनीति का नया चरण शुरू हो जाएगा। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत राजग के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात कर सूची पर सहमति हासिल कर ली। बिहार में भाजपा की पहली सरकार का नेतृत्व संभालने के बाद सम्राट की यह सबसे बड़ी प्रशासनिक पहल है। उन्होंने 15 अप्रैल को राज्य के पहले भाजपा मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। इसके बाद से ही मंत्रिमंडल विस्तार लंबित है।

मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट का यह दूसरा दिल्ली दौरा है, जिसका बड़ा राजनीतिक महत्व है। उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय मंत्री ललन सिंह, जीतनराम मांझी और नित्यानंद राय से भी मुलाकात की। बिहार के विकास, प्रशासनिक प्राथमिकताओं और भविष्य की रणनीति पर भी विचार किया। इससे पहले सम्राट चौधरी ने शनिवार को पटना में पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से भी लंबी बातचीत की थी, जिसमें दोनों बड़े दलों के बीच सीटों व विभागों के बंटवारे को लेकर शुरुआती सहमति बन चुकी है।

बिहार में नियमतः मुख्यमंत्री समेत अधिकतम 36 मंत्री हो सकते हैं। पुराने फार्मूले के तहत भाजपा-जदयू को 15-15 मंत्री पद मिलने हैं। सहयोगी दलों लोजपा को दो तथा हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा एवं राष्ट्रीय लोकमोर्चा को एक-एक मंत्री पद मिलना है। शुरुआत में सभी पद भरे नहीं जाएंगे। सूत्रों का कहना है कि भाजपा से 13 और जदयू से 12 मंत्री शपथ ले सकते हैं। कुछ स्थान रणनीतिक कारणों से खाली रखे जा सकते हैं इस विस्तार की एक खास बात संतुलन और संदेश दोनों होंगे। अनुभवी नेताओं को बनाए रखना स्थिरता का संकेत देगा। वहीं नए और युवा चेहरों को शामिल करना भविष्य की राजनीति की तैयारी माना जाएगा। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर भी जोर दिख सकता है।

राजनीतिक दृष्टि से यह विस्तार केवल औपचारिक प्रक्रिया नहीं है। यह नई सरकार की दिशा और प्राथमिकताओं को तय करेगा। विभागों का बंटवारा भी महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि इससे प्रशासनिक गति तय होती है। क्या बिहार की सरकार भी दिल्ली से चल रही है?

भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों का तबादला

प्रमोद कश्यप, लखनऊ। उत्तर प्रदेश शासन ने प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक चुस्त-दुरुस्त करने के उद्देश्य से भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों का एक बड़ा तबादला आदेश जारी किया है।

इस फेरबदल के अंतर्गत देवरिया, जौनपुर, मऊ, महाराजगंज, फिरोजाबाद, मुरादाबाद, संभल और प्रतापगढ़ जैसे महत्वपूर्ण जनपदों में नए जिलाधिकारियों की तैनाती की गई है।

वहीं, राजस्व परिषद से संबद्ध चल रहे रिंकू सिंह राही को जालौन में संयुक्त मजिस्ट्रेट की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पिछले दिनों अपने पद से इस्तीफा देने और फिर उसे वापस लेने को लेकर वे खूब सुर्खियों में रहे थे। उनका आरोप था कि उन्हें कोई महत्वपूर्ण काम नहीं दिया जा रहा है और वे बिना काम के वेतन लेकर जनता की सेवा नहीं कर पा रहे हैं।

लखनऊ। राष्ट्रीय खेल प्रशासन कानून लागू होने के बाद उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन में बड़ा बदलाव तय माना जा रहा है। वर्षों से पदों पर काबिज पदाधिकारियों की विदाई का रास्ता साफ हो गया है और आगामी चुनाव में नई कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया तेज हो गई है। जून में प्रस्तावित चुनाव अब केवल औपचारिकता भर माने जा रहे हैं, क्योंकि नए कानून के तहत पुराने ढांचे में व्यापक बदलाव अनिवार्य हो गया है।

इसके तहत यूपीओए के लंबे समय से महासचिव डॉ. आनंदेश्वर पांडेय, चार-चार साल के लगातार आठ रिकॉर्ड कार्यकाल तक सत्ता का सुख भोगने के बाद इस साल 20 जून तक अपने पद से हट जाएंगे।

हालांकि, खेल प्रशासन कानून के अनुसार, उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के अध्यक्ष विराज सागर दास अभी भी चार साल का एक और कार्यकाल जारी रख सकते हैं, जबकि कोषाध्यक्ष सैयद रफत जुबैर रिजवी आगे भी अपने पद पर बने रह सकते हैं।

संभावित खराब मौसम को देखते हुए सतर्क रहने की अपील

लखनऊ। प्रदेश में चार मई को संभावित खराब मौसम को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। कहा है कि आंधी, तेज हवाओं और बारिश के दौरान बिना जरूरत घर से बाहर न निकलें और अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता दें।

मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के कई जिलों में तेज हवाएं चलने, गरज-चमक और बिजली गिरने की आशंका है। ऐसे में लोगों को खुले मैदान, पेड़ों के नीचे और बिजली के खंभों के पास खड़े होने से बचने की सलाह दी गई है।

गर्मी और लू को देखते हुए जनगणना 2027 के पहले चरण में फील्ड कर्मचारियों के काम का समय तय हो गया है।

लखनऊ। गर्मी और लू को देखते हुए जनगणना 2027 के पहले चरण में फील्ड कर्मचारियों के काम का समय तय हो गया है। सभी जिलाधिकारियों और मुख्य चिकित्साधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि 22 मई से 20 जून तक होने वाले 'मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना' कार्य के दौरान कर्मचारियों की सेहत का खास ध्यान रखा जाए।

प्रदेश में इस दौरान करीब 5.5 लाख गणनाकर्मी और पर्यवेक्षक घर-घर जाकर आंकड़े जुटाएंगे। निर्देश के मुताबिक, काम का समय सुबह आठ बजे से पहले और शाम चार बजे के बाद रखा जाएगा, ताकि तेज धूप से बचा जा सके।

केशरी दर्पण समाचार पत्र के ऑनलाइन पत्रकार बने।
www.kesharidarpan.com
पर रजिस्टर/लॉगिन करे।
सम्पादक सुभाष चंद
9837749557
www.kesharidarpan.com

राखी कश्यप और विक्रांत डूडा कर्मी की मौत की सीबीआई जाँच हो तो केस का सही खुलासा हो सकता

नितिन कुमार सिंह, बागपत। कई बार पुलिस भी धोखा खा जाती है। नतीजा भरी नुकसान हो जाता है। कई मामलो में जान तक भी चली जाती है। इस प्रकार के प्रकरणो का जिम्मेदार कौन? राखी कश्यप के मामले में भी पुलिस की बड़ी लापरवाही उजागर हुई है। जब पुलिस ने कोतवाली लाकर राखी कश्यप से पूछताछ की तो उससे पहले ही वो अपने प्रेमी आउटसोर्सिंग डूडा कर्मचारी विक्रांत सिंह की हत्या कर चुकी थी। जिसकी पुष्टि शायद नहीं की जा सकती कि वास्तव में राखी कश्यप ने ही हत्या की या अन्य किसी और ने और नाम मृतक राखी कश्यप के लगा दिया।

पुलिस ने जब राखी कश्यप को गिरफ्तार किया पुलिस उसकी जुबान नहीं खुलवा पाई। पुलिस ने उसे छोड़ दिया। उसने फोन करके विक्रांत को गोली लगने की भी सूचना पुलिस को दे दी थी, जिसे पुलिस ने गंभीरता से नहीं लिया। इसके बाद राखी की भी हत्या हो गई। लोगो को कहना है कि कही पुलिस ने जानबूझकर राखी को मरने के लिए तो नहीं छोड़ा था।

प्रयागराज की गोविंद कॉलोनी निवासी विक्रांत सिंह बागपत में डूडा में आउटसोर्सिंग कंपनी के तहत तैनात था। वह 15 अप्रैल की शाम करीब साढ़े सात बजे काम करने के बाद कार्यालय से घर के लिए गया था। 16 अप्रैल की सुबह कार्यालय नहीं आया।

इंतजार करने पर स्टाफ ने कॉल की तो मोबाइल स्विच ऑफ मिला। 23 अप्रैल को उसकी पत्नी प्राची व अन्य लोग एसपी से मिले। प्राची ने बताया था वह विक्रांत सिंह और बेटी के साथ वर्तमान में गर्ग एंक्लेव निकट महिला थाना चमरावल रोड बागपत में रहती है।

वह सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग नोएडा में नौकरी करती है। उसके पति गत 16 अप्रैल की सुबह अपने कार्यालय गए थे। वह भी अपने ऑफिस में गई हुई थी। उस दिन सुबह 9.30 बजे पति से फोन पर बात हुई थी। वह प्रयागराज चली गई थी। इसके बाद से पति घर नहीं लौटे। उनके दोनों मोबाइल स्विच ऑफ हैं।

पता चला है कि उनके पति, राखी कश्यप के संपर्क में थे। आरोप है कि पति पर महिला मानसिक दबाव बना रही थी और मांग पूरी न होने पर पुलिस से झूठी शिकायत करने की धमकी दे रही थी। शक है कि उनके पति उस महिला की वजह से लापता हुए हैं।

वहीं, एसपी सूरज कुमार राय ने पुलिस टीम गठित की थी। पुलिस ने उसी रात कोतवाली लाकर राखी कश्यप से पूछताछ की थी। उसने पुलिस को जानकारी दी थी कि उसकी शादी 25 अप्रैल को विक्रांत से होनी है। इस वजह से परिवार से तंग होकर विक्रांत कहीं गया होगा।

पुलिस ने उसकी बात पर विश्वास करते हुए उसे छोड़ दिया था, जबकि वह अपने दो साथियों सुधारस चौहान व कपिल चौहान के साथ मिलकर विक्रांत की हत्या कर चुकी थी। जिसकी पुष्टि के लिए गहन जिसकी जाँच जरुरी है।

क्या पोल खुलने के डर से सुधारस व कपिल ने मिलकर 25 अप्रैल को सहारनपुर में फार्म हाउस पर ले जाकर राखी कश्यप की हत्या कर दी? पुलिस घटना को गंभीरता से लेती तो राखी की जान बच जाती और विक्रांत की हत्या का पहले ही राजफाश हो जाता।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक राखी कश्यप ने 16 अप्रैल की रात पुलिस कंट्रोल रूम पर कॉल करके सूचना दी थी कि उसके पति (विक्रांत) ने खुद को गोली मार दी है। इसके बाद मोबाइल स्विच ऑफ कर लिया था। बाद में बोल दिया था घरेलू विवाद में गलती से कॉल कर दी थी। वहीं परिवार व अन्य लोगो का कहना है कि राखी कश्यप और विक्रांत डूडा कर्मी की मौत की सीबीआई जाँच हो तो केस का सही खुलासा हो सकता है।

डूडा कर्मचारी विक्रांत सिंह के लापता होने की सूचना एक सप्ताह बाद मिली थी। 17 अप्रैल को विक्रांत का शव सहारनपुर में मिलने की सूचना प्राप्त हुई। इस संबंध में सहारनपुर पुलिस अभियोग पंजीकृत कर कार्रवाई कर रही है। इस मामले में बागपत पुलिस की कोई लापरवाही नहीं है। सूरज कुमार राय, एसपी बागपत,

मर्तक मूलचंद की पत्नि का कहना कि परिवार में कोई ग्रह कलेश नहीं था

नितिन कुमार सिंह, बागपत। थाना बागपत के मीतली-डौला गांव के जंगल में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहाँ नलकूप पर शराब पार्टी में युवक की ईंटों से कूचकर हत्या कर दी गई। आरोपितों की धरपकड़ के प्रयास जारी हैं। थाना सिंघावली अहीर क्षेत्र के डौला गांव निवासी मर्तक मूलचंद (सोनू कश्यप) के पिता वीर सिंह के मुताबिक शुक्रवार की रात करीब आठ बजे बेटे सोनू को गांव के युवक घर से बुलाकर ले गए थे। देर रात घर नहीं लौटा तो परिवार के लोगों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन कुछ पता नहीं चल सका। शनिवार सुबह परिवार के लोग डौला पुलिस चौकी पहुंचे, जहां पता चला कि मीतली-डौला के जंगल में एक नलकूप पर युवक का शव मिला है।

मौके पर पहुंचे तो शव की पहचान बेटे सोनू के रूप में की। बताया जा रहा है कि घटना के समय नलकूप पर शराब पार्टी चल रही थी। उसी दौरान आरोपित युवकों ने विवाद होने पर सोनू की ईंटों से कूचकर हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलते ही थाना सिंघावली अहीर और कोतवाली बागपत पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया।

घटनास्थल से सोनू की बाइक बरामद हुई है, जबकि उसका मोबाइल फोन गायब है। स्वजन का आरोप है कि गांव के ही कुछ युवक बेटे सोनू को घर से बुलाकर ले गए थे और उसी दौरान उसकी हत्या कर दी गई। आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं, क्षेत्राधिकारी बागपत विजय चौधरी ने घटनास्थल का निरीक्षण कर पुलिस टीम को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उधर कोतवाली बागपत प्रभारी बृजेश कुमार का कहना है कि पुलिस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है। जल्द ही घटना का राजफाश कर दिया जाएगा।

गांव में यह भी चर्चा जोरो पर है कि मर्तक की पत्नि के हत्यारो से सम्बन्ध है। वही मर्तक मूलचंद की पत्नि का कहना है कि हमारे परिवार में कोई ग्रह कलेश नहीं था। तीन महीने पहले कुछ बात हुई थी लेकिन वो वही समाप्त हो गयी थी। मामला कुछ और हो सकता है। भविष्य में खुद को बचाने के लिए आरोपी तरह तरह के बयान दे रहे होंगे।

नोटः पत्र में छपे लेख, लेखकों के निजी विचार है, सम्पादक का इनसे सहमत होना अनिवार्य नहीं है। आप स्वयं जांच करें। किसी प्रकार के विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र बागपत होगा।

RNI. No. UPHIN/2010/36806, मालिक, मुद्रक, प्रकाशक सुभाष चन्द ने इण्डियन प्रेस, राजेन्द्र नगर, मेरठ से छपवाकर कार्यालय ग्राम वाजिदपुर, पोस्ट तहसील बडौत, जिला बागपत से प्रकाशित किया। सम्पादकः सुभाष चन्द, मो. 9837749557, प्रबन्धक सम्पादकः राजवीर सिंह , (किसी भी विवाद के लिए बागपत न्यायालय मान्य)